किसान उत्पादन संगठनों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जयपुर। 10000 एफपीओ को समान और प्रभावी तरीके से बनाने और बढ़ावा देने के लिए अगले 5 वर्षों में 10,000 एफपीओ के गठन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके और एफपीओ को आर्थिक रूप से टिकाऊ एवं मजबूत बनाने के लिए, डॉ अभिलाक्ष लीखी, अतिरिक्त सचिव (विपणन), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गोवा और दादरा और यूटी के राज्यों में एफपीओ की प्रगति पर चर्चा करने के लिए बैठक का आयोजन सीसीएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग, जयपुर में किया गया।

बैठक में एनसीडीसी, एनसीसीटी, एनएएफईडी आरएसएएमबी के अधिकारी कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अधिकारी और प्रतिनिधित्व करने वाले राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए। निदेशक (कृषि विपणन), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की एक संक्षिप्त प्रस्तुति के साथ योजना की मुख्य विशेषताओं पर अर्थात् कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओएस) का गठन और संवर्धन प्रतिभागियों को दिया गया। इसके अलावा, एफपीओ के गठन, जिला निगरानी समितियों, राज्य समितियों और प्रतिनिधि राज्यों की कार्यान्वयन एजेंसियों की भूमिका और कार्यान्वयन एजेंसियों की प्रगति पर राज्यवार चर्चा हुई। सभी प्रतिभागियों और कार्यान्वयन एजेंसियों को अध्यक्ष द्वारा अंतिम मील तक जोड़ने के लिए, योजना के बेहतर तरीके से मजबूत नेटवर्क रखने के लिए विभिन्न सुझाव दिए गए थे। कार्यान्वयन एजेंसियां, सीसीएस एनआईएएम के साथ कुछ उभरते कृषि डोमेन की शुरुआत के लिए जुड़ कर फसल उपरांत का प्रबंधन, विपणन पूर्वानुमान तंत्र, कृषि-सूचना विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक सिंचाई सुविधाएं आदि गतिविधियों को प्रभावी रूप से कृषक हित उपयोग की जा सकती है। अतिरिक्त सचिव, डॉ अभिलाक्ष लीखी, सीसीएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग तथा विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधिकारियों के साथ प्रगतशील एफपीसी मोखमपुरा कृषक निर्माता कंपनी लिमिटेड, तहसील बगरू, जयपुर का दौरा किया गया। दौरे के दौरान, खेम सिंह (एफपीओ के अध्यक्ष), मनीष चौधरी और भवर सिंह (प्रगतिशील किसान) ने बताया कि वे दालों, सब्जियों सहित विदेशी सब्जियों का सफलता पूर्वक उत्पादन किया जा रहा है। हल ही मे एफपीओ द्वारा एक अत्याधुनिक ग्रेडिंग और छँटाई की सुविधा विकसित की गई है जिसके द्वारा समूह से जुड़े हुये कृषक अपनी उपज की गुणवत्ता बता प्रीमियम मूल्य प्राप्त कर रहे है। यह सुविधा न केवल सदस्य किसानों को बल्कि अन्य पड़ोसी किसानों को भी नाममात्र प्रसंस्करण शुल्क के साथ लाभान्वित कर रही है। अतिरिक्त सचिव द्वारा पॉलीहाउस, नव स्थापित ग्रेडिंग और सॉर्टिंग सुविधा और एफपीओ की इनपुट शॉप का भी दौरा किया गया।